मूल्य 1 रु.

वर्षः 9 - अंक : 266, मुंबई, बुधवार, 8 जनवरी, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

गेटवे ऑफ इंडिया पर 'फ्री कश्मीर' का पोस्टर लहराने वाली लड़की के खिलाफ एफआईआर

गेटवे ऑफ इंडिया पर लहराया था फ्री कश्मीर का पोस्टर

मुंबई। गेटवे ऑफ इंडिया पर सोमवार को प्रदर्शन के दौरान फ्री कश्मीर का पोस्टर लहराने वाली लड़की के खिलाफ मुंबई पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। महक मिर्जा प्रभु ने जवाहर लाल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) हिंसा के विरोध में सोमवार को गेटवे ऑफ इंडिया पर हुए प्रदर्शन के दौरान फ्री कश्मीर का पोस्टर लहराया था। (शेष पृष्ठ 5 पर)

निर्भया केस

कोर्ट का डेथ वॉरंट

मौत की तारीख और वक्त मुकर्रर — **22 जनवरी सुबह 7 बजे**

निर्भया के गुनहगारों की फांसी की तारीख तय

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने निर्भया के दुष्कर्मियों का डेथ वॉरंट जारी कर दिया है। निर्भया के माता-पिता की याचिका पर मंगलवार को फैसला सुनाते हुए पटियाला हाउस कोर्ट ने कहा- चारों दोषियों अक्षय कुमार सिंह (31), पवन गुप्ता (25), मुकेश (32) और विनय शर्मा (26) को 22 जनवरी को सुबह 7 बजे तिहाड़ जेल में फांसी दी जाए। फैसला एडिशनल सेशन जज सतीश कुमार अरोड़ा ने सुनाया। जिन दोषियों को फांसी की सजा सुनाई जाती है, उनका डेथ वॉरंट अदालत ही जारी करती है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दोषियों ने 14 दिन में हाईकोर्ट में डेथ वॉरंट के खिलाफ अपील नहीं की तो फांसी पर अमल होगा

तिहाड़ में चारों दोषियों को एकसाथ फांसी देने के लिए फांसी घर तैयार

तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने कहा- हमें मेरठ से एक जल्लाद की जरूरत है। इस संबंध में हम उत्तर प्रदेश को जल्द ही पत्र लिखेंगे। हमारे पास तिहाड़ में चारों दोषियों को फांसी देने के सभी इंतजाम हैं। चारों दोषियों को एक साथ फांसी पर लटकाने के लिए तिहाड़ में करीब 25 लाख रु. की लागत से एक नया फांसी घर तैयार किया गया है।

निर्भया के दोषियों को फांसी देने के लिए अकेला काफी: पवन जल्लाद

कोर्ट के फैसले पर निर्भया के मां-बाप ने जताई खुशी

आगे क्या : दोषियों के पास 14 दिन का वक्त और 4 तरह की मोहलत

1. जेल मैनुअल के मुताबिक, दोषी डेथ वॉरंट के खिलाफ 14 दिन में हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं, नहीं तो दोषियों को तय तारीख पर फांसी दे दी जाएगी।
2. हाईकोर्ट भी डेथ वॉरंट बरकरार रखे, तो दोषी सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं।
3. दोषी मई 2017 के सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ भी क्यूरेटिव पिटीशन लगा सकते हैं, जिसमें फांसी की सजा बरकरार रखी गई थी। दोषियों के वकील एपी सिंह ने कहा भी है कि हम एक-दो दिन में क्यूरेटिव पिटीशन दाखिल करेंगे। 5 जजों की बेंच इस पर सुनवाई करेगी।
4. दोषी राष्ट्रपति के पास दया याचिका भी लगा सकते हैं।

महाराष्ट्र में नया समीकरण?

राज ठाकरे और फडणवीस के बीच हुई डेढ़ घंटे मुलाकात

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे से मुलाकात की है। दोनों नेताओं की यह मुलाकात मुंबई में हुई है। दोनों की बैठक करीब डेढ़ घंटे तक हुई। इस मुलाकात के बाद अब महाराष्ट्र में नए राजनीतिक समीकरण की चर्चाएं हो रही हैं। दोनों नेताओं के बीच इतनी लंबी चली बातचीत के बाद अब कयास लगाए जा रहे हैं कि बीजेपी मनसे से हाथ मिला सकती है। ये कयासबाजी इसलिए भी तेज है क्योंकि शिवसेना अब बीजेपी से अलग हो चुकी है और उसे महाराष्ट्र में गठबंधन के दलों यानी कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी से मुकाबले के लिए मनसे की जरूरत पड़ सकती है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

...तो गारगाई से होगी पानी की अतिरिक्त सप्लाई

मुंबई। मुंबईकरों की प्यास बुझाने के लिए बीएमसी नई झील के निर्माण का काम शुरू करेगी। गारगाई झील के लिए भूमि अधिग्रहण और बाधितों के विस्थापन का प्रस्ताव बुधवार को स्थायी समिति में मंजूरी के लिए लाया जाएगा। इस साल के अंत तक सारी प्रक्रिया पूरी कर जमीन पर काम शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। हाल में महापौर किशोरी पेडणेकर ने भी इस प्रॉजेक्ट की समीक्षा की थी।

बीएमसी लंबे समय से तीन नई झीलों के निर्माण की योजना बना रही है। इनके बन जाने के बाद मुंबईकरों को 2,900 मिलियन लीटर अतिरिक्त पानी मिलेगा। भविष्य में बढ़ने वाली जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए इनका निर्माण आवश्यक है।

पालघर जिले की वाडा तालुका स्थित ओगदे गांव के पास गारगाई नदी पर गारगाई झील का निर्माण किया जाएगा। गारगाई झील 69 मीटर ऊंची और 972 मीटर लंबी होगी। गारगाई से मोडक सागर झील के बीच करीब दो किलोमीटर लंबी जल सुरंग बनाई जाएगी। झील का पानी इसी सुरंग के जरिए मोडक सागर में लाया जाएगा। मोडक सागर से पाइप लाइन के जरिए झील का पानी मुंबईकरों तक पहुंचेगा।

गारगाई झील के बनने से मुंबई में हो रही पानी की आपूर्ति बढ़ जाएगी। वर्तमान में मुंबई को 3,800 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति सात झीलों से की जा रही है। गारगाई झील से 440 मिलियन लीटर पानी मिलने से मुंबई को रोजाना 4,240 मिलियन लीटर पानी मिल पाएगा। बीएमसी की तरफ से गारगाई झील के साथ ही प्रस्तावित पिंजाल और दमन गंगा तीन नई जल परियोजनाएं जल्द ही शुरू होने वाली हैं। शुरूआत गारगाई झील से होगी। इन तीन झीलों के बनने से मुंबईकरों को रोजाना 2,900 मिलियन लीटर अतिरिक्त पानी मिलेगा। इनके लिए भी भूमि अधिग्रहण की तैयारी शुरू हो चुकी है। गारगाई परियोजना से 840 हेक्टेयर क्षेत्र बाधित होगा। इसमें करीब 170 हेक्टेयर निजी जमीन शामिल है। इस पर करीब 147.79 करोड़ रुपये खर्च होंगे। साथ ही वन क्षेत्र की 579 हेक्टेयर, नदी प्रवाह क्षेत्र की 63.76 हेक्टेयर और राज्य महामार्ग-37 के नीचे की 9.148 हेक्टेयर जमीन शामिल है। इस परियोजना में बाधित होने वाले 619 परिवारों का पुनर्वसन किया जाएगा। परियोजना बाधित 185 और अबाधित एवं स्वेच्छा से पुनर्वसन को तैयार 434 परिवार शामिल हैं। इन पर कुल 395 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

नागपाडा की इमारत में लगी आग, 8 झुलसे

मुंबई। नागपाडा के भीड़भाड़ वाले कमाठीपुरा के इलाके में सोमवार सुबह एक पुरानी इमारत में आग लग गई। हादसे में एक बच्ची समेत 8 लोग घायल हुए हैं। दमकल विभाग के काफी प्रयास के बाद करीब 5 घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया। घायलों में आदिल कुरैशी (20), निशा देवी (32), चंदादेवी (60), अनिया (2), मोहनराम (70) समेत 8 लोग शामिल हैं। इनमें से मोहनराम की हालत गंभीर है।

फायर ब्रिगेड के मुताबिक, चाइना बिल्डिंग में आग सुबह 9:44 बजे लगी। आर.एस. निमकर मार्ग पर स्थित इस इमारत तक पहुंचने में फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। क्योंकि यह इलाका काफी भीड़भाड़ वाला और सघन है। अधिकारी ने बताया कि दमकल की दस गाड़ियां, 11 जंबो टैंकर आग बुझाने के काम में लगे थे। आग लगने के बाद इमारत का एक हिस्सा ढह गया। इमारत में कुछ दरारें भी आई हैं। इस बिल्डिंग में कई व्यावसायिक कार्य भी होते हैं। इमारत में कुछ लोग रहते भी हैं। आग लगने के बाद लोगों को इमारत से निकाल लिया गया।

उद्योग-धंधों को बढ़ावा देने के लिए ठाकरे करेंगे टाटा-अंबानी से बात

मुंबई। राज्य के आर्थिक विकास को अधिक गति देने के लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे बड़े उद्योग घरानों के प्रमुखों से बातचीत करेंगे। बैठक में मुख्यमंत्री राज्य के विकास को लेकर सरकार का नजरिया भी पेश करेंगे, साथ ही आर्थिक विकास के लिए उद्योगपतियों की राय भी लेंगे।

मंगलवार को सह्याद्रि गेस्ट हाऊस में होने वाली बैठक में रतन टाटा, मुकेश अंबानी, आनंद महिंद्रा, आदि गोदरेज, सज्जन जिंदल, उदय कोटक, दीपक पारेख, गौतम सिंघानिया, बाबा कल्याणी जैसे नामचीन उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया है। इस बैठक में उद्योग मंत्री सुभाष देसाई भी उपस्थित रहेंगे। बैठक में पूरा ध्यान राज्य की विकास योजना बनाने में औद्योगिक क्षेत्र के प्रमुखों के सुझावों पर उचित विचार किया जाएगा। देश की इकोनॉमी में महाराष्ट्र हमेशा अग्रणी है। देश की जीडीपी में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान है। इसमें उद्योग क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है। साल

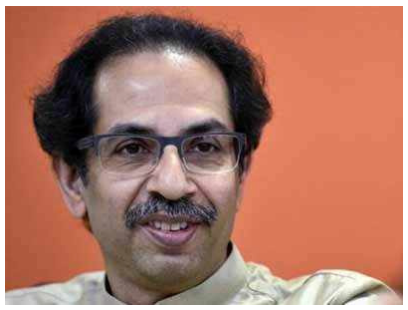

2025 तक तक राज्य की अर्थव्यवस्था को ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। बैठक के बारे में राज्य के उद्योग मंत्री सुभाष देसाई ने कहा कि महाराष्ट्र में अधिक से अधिक निवेश बढ़ाकर ज्यादा से ज्यादा रोजगार पैदा करने पर ध्यान होगा। उन्होंने कहा कि बैठक में अनौपचारिक चर्चा भी होगी।

उद्योग मंत्री सुभाष देसाई ने बताया कि उद्योग धंधा को बढ़ाने के लिए सरकार सतत प्रयास करते रहती है। इसी के अंत तक नवंबर में एक बार फिर मैग्नेटिक महाराष्ट्र परिषद का आयोजन किया जाएगा। पिछली बार इसका आयोजन वर्ष 2018 में किया गया था। नागपुर में मिहान के सवाल पर देसाई ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने वहां की स्थिति का जायजा लिया है। देसाई ने कहा कि अभी मेट्रो का काम ठेकेदार कर रहे हैं, लेकिन जब भी मेट्रो में भर्ती होगी, वह राज्य सरकार की नीतियों के अनुसार होगी। इसमें स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

फॉक्सकान के महाराष्ट्र में आने की काफी चर्चा थी, लेकिन यह कंपनी यहां नहीं आई। इस संबंध में पूछे गए सवाल पर देसाई ने कहा कि फॉक्सकान यहां आने वाली थी, लेकिन नहीं आई। निजी कंपनी की तरफ से निवेश का निर्णय उनका स्वयं का होता है। फॉक्सकान अमेरिकी कंपनी एप्पल के लिए आईफोन और टैबलेट बनाती है।

शिवसेना के विधायक ने अंग्रेजी में लिखे नामों वाली आधिकारिक सूची फाड़ी

मुंबई। महाराष्ट्र के एक विधायक ने एक ऑफिशल मीटिंग के दौरान आधिकारिक सूची फाड़ दी। विधायक ने लिस्ट में नाम मराठी भाषा के बजाए अंग्रेजी में लिखे होने पर आपत्ति जताई। घटना उस वक्त हुई जब मुंबई के चांदीवली से शिवसेना विधायक दिलीप लांडे बीएमसी के उपायुक्त और नगर निकाय के अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि बैठक में अंधेरी-कुर्ला सड़क से जुड़े काम पर चर्चा चल रही थी। इसी संबंध में जब उन्हें नामों की एक सूची सौंपी गई तो उन्होंने यह कहते हुए सूची फाड़ दी कि इसमें नाम अंग्रेजी में लिखे हुए हैं। उन्होंने बताया कि विधायक ने अधिकारियों से

पूछा कि सूची मराठी भाषा में तैयार क्यों नहीं की गई जबकि रोज के कामकाज में मराठी भाषा के इस्तेमाल का नियम है।

उन्होंने कागज के टुकड़े अधिकारियों की ओर फेंक दिए। अधिकारी ने बताया कि विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे मराठी को उत्कृष्ट भाषा का दर्जा दिलाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन बीएमसी के अधिकारी भाषा का अपमान कर रहे हैं।

सरकारी बाबू चले हड़ताल पर

मुंबई। अंशदाई पेंशन योजना रद्द कर पुरानी पेंशन योजना लागू करने, ठेका कर्मचारियों की सेवा नियमित करने, सरकारी पद भरने, निजीकरण रोकने तथा पांच दिनों का सप्ताह करने सहित अन्य मांगों को लेकर राज्य के सरकारी कर्मचारी 8 जनवरी को हड़ताल पर जाएंगे। इस हड़ताल में राज्य के सरकारी, अर्ध सरकारी कर्मचारी शामिल होने की संभावना है। उसके मद्देनजर राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि महाराष्ट्र नागरिक सेवा नियम के प्रावधान के अनुसार सरकारी कर्मचारी को हड़ताल करने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

बिमारियों से लड़ने आई बीएमसी की ताई

मुंबई। मुंबईकरों को संक्रामक रोगों से बचाने के लिए बीएमसी ने एक अनोखी मुहिम शुरू की है। बीएमसी की ओर से जारी किए गए एक विडियो में 'बीएमसी की ताई' कहती नजर आ रही हैं, 'मैं मुंबई के लिए कुछ भी करूंगी।' बीएमसी की यह ताई टीवी और सोशल मीडिया पर बीएमसी के विज्ञापन में दिखाई दे रही हैं। बीएमसी की ताई मलेरिया उन्मूलन के लिए बीएमसी के प्रयासों के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाती हुई दिखाई दे रही हैं।

विडियो में बताया जा रहा है कि बीएमसी के 3,200 कर्मचारी मुंबई के

घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य का रिकॉर्ड रखते हैं। साथ ही शहरवासियों को बीएमसी की तरफ से जारी मुफ्त स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में भी जानकारी देते हैं। विडियो में लोगों से बीएमसी की स्वास्थ्य सुविधाओं और मुफ्त स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठाने की भी अपील की गई है। मुंबई में प्रतिदिन लोग किसी न किसी संक्रामक बीमारी की चपेट में आ कर अपनी जान गंवाते हैं। मलेरिया, डेंगी जैसी बीमारियों के साथ-साथ दूषित पानी और गंदगी के कारण भी संक्रामक रोग फैलते हैं। इसे देखते हुए बीएमसी संक्रामक रोगों से लोगों को छुटकारा दिलाने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता फैला रही है। बीएमसी पहले भी इस तरह के प्रयोग कर चुकी है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

उद्धव कैबिनेट: मंत्रालयों के बंटवारे से नाखुश हैं कांग्रेस-एनसीपी के मंत्री

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट विस्तार और मंत्रालयों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस नेताओं के बीच नाराजगी सामने आ रही है। सिर्फ नेता ही नहीं, जिन्हें मंत्रीपद मिले हैं, वे मंत्रालयों से भी नाराज हैं। कुछ नेताओं ने जहां कांग्रेस नेतृत्व के सामने शिकायत की है तो कुछ पदभार ही नहीं संभाल रहे। इन नेताओं में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टिवार शामिल हैं जो कांग्रेस और एनसीपी के शिवसेना सरकार को राज्य में समर्थन देने के पक्ष में थे।

कैबिनेट विस्तार के बाद से विजय किसी के संपर्क में नहीं है। वह इस बात से नाराज हैं कि उन्हें ओबीसी, नमक भूमि विकास मंत्रालय और पुनर्स्थापन और राहत (भूकंप) का मंत्री बनाया गया है। ऐसे में

उनके पास कुछ ज्यादा करने को नहीं है। एक कांग्रेस नेता ने कहा, 'ओबीसी मंत्रालय या नमक भूमि विकास मंत्रालय में करने को ज्यादा कुछ नहीं है। अगर उन्हें किसानों की मदद करने को मिलता तो राहत और पुनर्स्थापन मंत्रालय का मतलब होता। उन्हें राहत और पुनर्स्थापन मंत्रालय का मंत्री बनाया गया है। इसलिए जब तक भूकंप न आए उनके करने के लिए कुछ नहीं है।'

विजय के अलावा अमित देशमुख भी मेडिकल एजुकेशन और कल्चरल अफेयर मंत्रालय दिए जाने से दुखी हैं। पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के बेटे इस मुद्दे पर मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने की कोशिश कर रहे हैं। एक कांग्रेस नेता ने यहां तक बताया है कि बालासाहेब थोराट को छोड़कर कोई भी मंत्री अपने मंत्रालय से खुश नहीं है। थोराट को रेवेन्यू डिपार्टमेंट दिया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा, 'अशोक चव्हाण को पीडब्ल्यूडी मिला है लेकिन उन्हें रेवेन्यू या और कोई बेहतर विभाग चाहिए था लेकिन उन्हें पीडब्ल्यूडी से संतोष करना पड़ा क्योंकि रेवेन्यू को छोड़कर कोई बेहतर मंत्रालय नहीं था।'

पार्टी नेताओं का मानना है कि एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार के प्रभाव के कारण एनसीपी और शिवसेना के नेताओं को बेहतर विभाग मिले हैं। वहीं, सूत्रों के मुताबिक एनसीपी नेता छगन भुजबल खुद को खाद्य और जन आपूर्ति और उपभोक्ता सुरक्षा मंत्रालय दिए जाने और जितेंद्र अव्हाड जैसे जूनियर नेता को हाउसिंग डिपार्टमेंट दिए जाने से नाराज हैं।

'फ्री कश्मीर' पर सियासत जारी, अब शिवसेना बोली-'...इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे'

मुंबई। जेएनयू हिंसा के खिलाफ मुंबई में छात्रों की तरफ से जारी आंदोलन के बीच एक छात्रा के हाथ में 'फ्री कश्मीर' के पोस्टर को लेकर सियासत जारी है। अब इस मामले में सत्तारूढ़ शिवसेना भी कूद पड़ी है। शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने दो टूक कहा कि अगर कोई भारत से कश्मीर की आजादी की बात करता है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दरअसल, गेटवे ऑफ इंडिया पर एक छात्रा के हाथ में 'फ्री कश्मीर' के पोस्टर से सोशल मीडिया पर सियासी घमासान मचा हुआ है। इस पोस्टर की न सिर्फ बीजेपी, बल्कि कांग्रेस के नेताओं ने भी जमकर आलोचना की। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव सरकार को आड़े हाथों लिया और पूछा कि क्या उन्हें फ्री कश्मीर भारत विरोधी अभियान बर्दाश्त है।

इस मामले में अब अपनी प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा, 'मैंने अखबार में पढ़ा कि 'मुक्त कश्मीर' का पोस्टर दिखानेवाले छात्रों ने सफाई दी है कि वे इंटरनेट सेवाओं, मोबाइल सेवाओं और अन्य मुद्दों पर प्रतिबंध से मुक्त रहना चाहते हैं। इसके बावजूद अगर कोई भारत से कश्मीर की आजादी की बात करता है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'

इससे पहले शिवसेना को निशाने पर लेते हुए फडणवीस ने 'फ्री कश्मीर'के पोस्टर वाले विडियो ट्वीट कर लिखा, 'यह किस बात का प्रदर्शन है? फ्री कश्मीर के नारे क्यों लगाए जा रहे हैं? हम मुंबई में इस तरह के अलगाववादी तत्वों को कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं?' बता दें कि जेएनयू में हुई हिंसा के खिलाफ मुंबई में छात्रों का विरोध अब और तेज हो गया है। गेटवे ऑफ इंडिया पर बड़ी संख्या में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद से पुलिस ने प्रदर्शनकारी छात्रों को गाड़ियों में भरकर उन्हें यहां से आजाद मैदान के लिए भेज दिया। छात्रों ने आजाद मैदान में अनशन की चेतावनी दी है।

एससी-एसटी के आरक्षण के लिए विशेष सत्र बुलाया

मुंबई। अनुसूचित जाति-अनूसूचित जनजाति को अगले दस वर्षों तक आरक्षण का लाभ देने संबंधी प्रस्ताव पर मुहर लगाने के लिए बुधवार 8 जनवरी को महाराष्ट्र विधानमंडल का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाया जा रहा है।

विशेष बुलाने के के लिए सोमवार को विधानमंडल के कामकाज समिति की बैठक बुलाई गई। विधान परिषद के सभापति रामराजे नाईक निंबालकर और विधानसभा अध्यक्ष नाना पटोले की अध्यक्षता में हुई। यह साल का पहला विशेष अधिवेशन है। इसमें राज्यपाल का अभिभाषण होगा। दोनों सभागृह में राज्यपाल का अभिभाषण पटल पर रखा जाएगा। इसके बाद मंत्रियों का परिचय, अभिभाषण पर आभार प्रदर्शन का प्रस्ताव तथा 126वें संविधान संशोधन विधेयक 2019 के समर्थन में प्रस्ताव पेश किया जाएगा। विधानसभा में शोक प्रस्ताव रखने के संदर्भ में इस बैठक में निर्णय लिया गया। बता दें कि संसद के दोनों सदनों ने 126वां संविधान संशोधन विधेयक पारित हो चुका है। इस विधेयक को 25 जनवरी 2020 से प्रभावी होना है। संविधान के अनुच्छेद 168 के तहत आधे से अधिक राज्यों की विधायिका द्वारा इसका समर्थन आवश्यक है।

जेएनयू हिंसा: मुंबई में 'फ्री कश्मीर' के पोस्टर से सियासी उबाल, फडणवीस ने उद्धव से पूछा- क्या आपको बर्दाश्त है?

मुंबई। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में हुई हिंसा के खिलाफ मुंबई में मंगलवार तड़के तक प्रदर्शन जारी रहा। हाथ में पोस्टर लेकर और हिंसा के खिलाफ नारे लगाते हुए गेटवे ऑफ इंडिया पर बड़ी संख्या में छात्रों ने आंदोलन किया। हालांकि इस दौरान एक छात्रा के हाथ में 'फ्री कश्मीर' के पोस्टर से सोशल मीडिया पर सियासी घमासान मच गया। इस पोस्टर की न सिर्फ बीजेपी बल्कि कांग्रेस के नेताओं ने भी जमकर आलोचना की। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव सरकार को आड़े हाथों लिया तो कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने भी सवाल किए।

जेएनयू में हुई हिंसा के विरोध में फ्री कश्मीर के पोस्टर पर महाराष्ट्र के पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस ने वर्तमान सरकार को कटघरे में खड़ा कर सवाल दागे। फडणवीस ने सीएम उद्धव ठाकरे से पूछा कि क्या उन्हें फ्री कश्मीर भारत विरोधी अभियान बर्दाश्त है। देवेंद्र फडणवीस ने 'फ्री कश्मीर'के पोस्टर वाले विडियो ट्वीट कर लिखा, 'यह किस बात का प्रदर्शन है? फ्री कश्मीर के नारे क्यों लगाए जा रहे हैं? हम मुंबई में इस तरह के अलगाववादी तत्वों को कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं?'

फडणवीस ने आगे लिखा, 'सीएम कार्यालय से 2 किमी दूरी पर आजादी गैंग ने फ्री कश्मीर के नारे लगाए। उद्धव जी आप अपनी नाक के नीचे फ्री कश्मीर ऐंटी इंडिया कैंपेन को बर्दाश्त कर रहे हैं?' बता दें कि रविवार को जेएनयू परिसर में स्टूडेंट्स और टीचर पर कुछ नकाबपोश लोगों ने हमला कर दिया। हमलों के विरोध में मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर 5 जनवरी को ही प्रदर्शन शुरू हुआ जो सोमवार को भी जारी रहा। इस दौरान फ्री कश्मीर के पोस्टर भी दिखाए दिए जिससे सियासी बवाल मच गया। वहीं कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने भी इस 'फ्री कश्मीर' के पोस्टर पर आपत्ति जताई। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि ऐसे पोस्टर देश भर में चल रहे छात्र आंदोलन को बदनाम कर सकते हैं। निरुपम ने कहा कि आंदोलनकारियों को सावधानी बरतनी पड़ेगी। जेएनयू हिंसा का कश्मीर की आजादी से क्या मतलब है। संजय निरुपम ने ट्वीट किया, 'ऐसे पोस्टर देश भर में चल रहे छात्र आंदोलन को बदनाम कर सकते हैं। आंदोलन गुमराह हो सकता है। आंदोलनकारियों को सावधानी बरतनी पड़ेगी। #खठवश्ङ्महील्लू का कश्मीर की आजादी से क्या रिश्ता ? कौन हैं ये लोग ? किसने गेटवे पर भेजा इन्हें ? बेहतर होगा,सरकार इसकी जांच कराए।'

'फ्री कश्मीर' के पोस्टर को लेकर फडणवीस और जयंत पाटिल में 'ट्वीट वॉर'

मुंबई। जेएनयू में हुए हमले के विरोध में मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर प्रदर्शन के दौरान 'फ्री कश्मीर' के पोस्टर दिखाने को लेकर महाराष्ट्र के मंत्री जयंत पाटिल और पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस के बीच ट्विटर पर जुबानी जंग हुई। पहले देवेंद्र फडणवीस ने सीएम उद्धव ठाकरे से पूछा था कि क्या वे इसे बर्दाश्त करेंगे? इसी पर जयतं पाटिल ने लिखा है कि यहां 'फ्री कश्मीर' का मतलब भेदभाव से मुक्त किया जाना है। उन्होंने फडणवीस को कहा है कि आप इस प्रकार घृणास्पद अर्थ निकालकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। गेटवे ऑफ इंडिया पर सोमवार को एक प्रदर्शनकारी ने एक पोस्टर लिया हुआ था, जिस पर लिखा था 'फ्री कश्मीर'। पोस्टर के फोटो को ट्वीट के साथ टैग करके फडणवीस ने पूछा था कि वास्तव में विरोध किसलिए था और क्या मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे इस 'भारत विरोधी अभियान' को सहन करेंगे। उन्होंने लिखा, विरोध वास्तव में किसलिए है? फ्री कश्मीर के नारे क्यों लग रहे हैं? हम ऐसे अलगाववादी तत्वों को मुंबई में कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं? आजादी गैंग मुख्यमंत्री कार्यालय से दो किलोमीटर दूर फ्री कश्मीर के नारे लगा रहा है? उद्धव जी क्या आप अपनी नाक के नीचे कश्मीर को आजाद कराने के इस भारत विरोधी अभियान को बर्दाश्त करेंगे?

उद्धव ठाकरे से सवाल, जयंत पाटिल ने दिया जवाब

बीजेपी नेता फडणवसी ने ट्वीट में ठाकरे के ट्विटर हैंडल को भी टैग किया। फडणवीस को जवाब देते हुए पाटिल ने उन पर आरोप लगाया कि फडणवीस घृणास्पद तरीके से शब्दों का अर्थ बयां कर रहे हैं। पाटिल ने लिखा, 'देवेंद्रजी, इसका अर्थ यह है कि कश्मीर को सभी प्रकार के भेदभाव से मुक्त किया जाए। उसे सेल्युलर नेटवर्क पर लगे प्रतिबंध और केंद्रीय नियंत्रण से मुक्त किया जाए। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि आप जैसा जिम्मेदार नेता शब्दों का इस प्रकार घृणास्पद अर्थ निकालकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। यह सत्ता छिन जाने के कारण हो रहा है या खुद से नियंत्रण खो देने से? फडणवीस ने इसका उत्तर देते हुए कहा कि राष्ट्र पहले आता है और उन्हें यह उम्मीद नहीं थी कि पाटिल वोट बैंक की राजनीति करेंगे। उन्होंने लिखा, अफसोस की बात है! अब अलगाववादी धारणा को सरकार का समर्थन मिल रहा है। जयंतराव, आपसे इस वोट बैंक की राजनीति की उम्मीद नहीं थी। कश्मीर पहले से ही भेदभाव से मुक्त हो चुका है और वहां कुछ प्रतिबंध सुरक्षा कारणों से दशकों से हैं। सत्ता में हो या विपक्ष में, हमारे लिए एक ही सिद्धांत है– राष्ट्र प्रथम। बाद में शिवसेना नेता संजय राउत ने मीडिया से कहा कि 'फ्री कश्मीर' का पोस्टर लिए लोग इंटरनेट, मोबाइल सेवा और संचार पर लगे प्रतिबंध से आजादी मांग रहे थे।

जेएनयू विवादः राकांपा की छात्र इकाई का पुणे में एबीवीपी कार्यालय पर प्रदर्शन, बोर्ड पर कालिख पोत जताया विरोध

पुणे। जेएनयू में हुई हिंसा को लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन जारी हैं। इसी कड़ी में मंगलवार दोपहर पुणे में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यालय के बाहर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की छात्र शाखा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन और नारेबाजी की। तिलक रोड पर हुए इस प्रदर्शन में एक दर्जन से ज्यादा राकांपा कार्यकर्ताओं ने कार्यालय के बाहर लगे बोर्ड पर कालिख पोती और उसे तोड़ने का प्रयास भी किया। प्रदर्शन कर रहे राकांपा कार्यकर्ता श्रीनिवास सुभाष जगताप का आरोप था कि जेएनयू में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर एबीवीपी के गुंडों ने हमला किया। यह लोकतंत्र की हत्या का प्रयास किया गया। इसी के विरोध में हम आज यहां प्रदर्शन करने आये थे। जगताप के साथ आये कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ भी नारेबाजी की है। हंगामा बढ़ता देख मौके पर पुलिस की एक टीम पहुंची और राकांपा कार्यकर्ताओं को वहां से खदेड़ा। फिलहाल इस मामले में अभी तक एबीवीपी विंग की ओर से कोई भी कंप्लेंट पुलिस को नहीं दी गई है।

शिवसेना विधायक ने अधिकारियों के साथ बैठक में अंग्रेजी में लिखी सूची फाड़कर कूड़ेदान में फेंकी

शिवसेना विधायक ने अधिकारियों से पूछा कि यह सूची को मराठी भाषा में तैयार क्यों नहीं किया गया

मुंबई। यहां शिवसेना के एक विधायक ने सरकारी बैठक के दौरान अंग्रेजी में लिखी विभागीय सूची फाड़ दी। विधायक ने सूची को फाड़कर कूडेदान में फेंक दिया। विधायक इसलिए गुस्सा हो गए कि बीएमसी की यह सूची मराठी भाषा की बजाए अंग्रेजी में लिखी थी। दरअसल, यह घटना तब हुई जब मुंबई के चांदीवली से शिवसेना विधायक दिलीप लांडे बीएमसी के उपायुक्त और नगर निकाय के अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। इस दौरान जब उन्हें

नामों की एक सूची सौंपी गईं तो विधायक ने यह कहते हुए सूची फाड़ दी कि इसमें नाम अंग्रेजी में लिखे हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि विधायक ने पूछा कि सूची मराठी भाषा में तैयार क्यों नहीं की गई जबकि रोज के कामकाज में मराठी भाषा के इस्तेमाल का नियम है। विधायक ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे मराठी को उत्कृष्ट भाषा का दर्जा दिलाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन बीएमसी के अधिकारी मराठी भाषा का अपमान कर रहे हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

कोर्ट का डेथ वॉरंट

चारों दोषियों को जेल नंबर 3 में फांसी दी जाएगी। तीन दोषी जेल नंबर 2 में रखे गए हैं और एक को जेल नंबर 4 में रखा गया है। निर्भया के केस में वारदात के 2578 दिन बाद डेथ वॉरंट जारी हुआ है। 16 दिसंबर 2012 को निर्भया गैंगरेप का शिकार हुई थी। नौ महीने बाद यानी सितंबर 2013 में निचली अदालत ने दोषियों को फांसी की सजा सुनाई थी। मार्च 2014 में हाईकोर्ट और मई 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने फांसी की सजा बरकरार रखी थी। डेथ वॉरंट को ब्लैक वॉरंट भी कहते हैं। इसमें फॉर्म नंबर-42 होता है। इसमें फांसी का वक्त, जगह और तारीख का जिक्र होता है। फांसी पाने वाले सभी अपराधियों के नाम भी लिखे जाते हैं। ये भी लिखा होता है कि दोषी को फांसी पर तब तक लटकाया जाएगा, जब तक उसकी मौत न हो जाए। निर्भया की मां आशा देवी ने कहा कि बेटी को इंसाफ मिल गया है। दोषियों की फांसी देश की महिलाओं को ताकत देगी। डेथ वॉरंट के फैसले से लोगों का न्यायपालिका पर भरोसा मजबूत हुआ। निर्भया के पिता बद्रीनाथ सिंह ने कहा- मैं अदालत के फैसले से खुश हूं। यह फैसला इस तरह का अपराध करने वालों के मन में डर पैदा करेगा। पिछले महीने कोर्ट ने तिहाड़ प्रशासन को निर्देश दिया था कि कैदियों को एक बार फिर नोटिस दिया जाए। इसके बाद जेल प्रशासन ने राष्ट्रपति के पास दया याचिका दायर करने के लिए इन्हें दोबारा से 7 दिन का नोटिस दिया था। इसमें से तीन दोषियों ने सुप्रीम कोर्ट में क्यूरेटिव पिटीशन भी दायर करने की बात कही थी। 16 दिसंबर, 2012 की रात दिल्ली में पैरामेडिकल छात्रा से 6 लोगों ने चलती बस में दरिंदगी की थी। गंभीर जख्मों के कारण 26 दिसंबर को सिंगापुर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में पवन, अक्षय, विनय और मुकेश को फांसी की सजा सुनाई गई । ट्रायल के दौरान मुख्य दोषी राम सिंह ने तिहाड़ जेल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। एक अन्य दोषी नाबालिग होने की वजह से 3 साल में सुधार गृह से छूट चुका है।

महाराष्ट्र में नया समीकरण?

महाराष्ट्र के पालघर में होने वाले जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव के दौरान वहां कुछ बैनर लगे थे जिसमें मनसे और बीजेपी की नजदीकियां नजर आ रही थीं। आपको बता दें कि पालघर में कुछ बैनर लगे थे जिसमें पीएम मोदी और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे एक साथ दिखाई दे रहे थे। मनसे नेता राज ठाकरे ने आज महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की है। लेकिन आपको बता दें कि राज ठाकरे राज्य में गैर बीजेपी सरकार बनने के बाद उद्धव ठाकरे के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने भी गए थे। हालांकि जब विधानसभा में उद्धव सरकार का बहुमत परीक्षण हो रहा था तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के विधायक ने सरकार के पक्ष में वोट नहीं किया था। हालांकि उस वक्त मनसे विधायक राजू पाटिल तटस्थ रहे थे। यहां आपको बता दें कि तटस्थ रहने का मतलब किसी भी पक्ष में वोट नहीं डालना है।

गेटवे ऑफ इंडिया पर 'फ्री कश्मीर'...

उनके खिलाफ कोलाबा पुलिस स्टेशन में धारा 153बी के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने अभी तक इस मामले में महक मिर्जा प्रभु से पूछताछ नहीं की है। पुलिस सूत्रों का दावा है कि महक मिर्जा प्रभु के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153बी के तहत केस दर्ज किया गया है। उन पर राष्ट्रीय हितों को प्रभावित करने का आरोप है। पुलिस ने बयान देने के लिए उन्हें अब तक तलब नहीं किया है। पुलिस महक मिर्जा से बातचीत करने की कोशिश कर रही है। पुलिस इस मामले में महक का बयान दर्ज करेगी ।एक पुलिस अधिकारी ने कहा है कि प्रदर्शन के बारे में अधिक जानकारी हासिल करने के लिए सीसीटीवी फुटेज और अन्य वीडियोज की भी जांच की जा रही है। भारतीय जनता पार्टी ने पोस्टर पर कड़ी आपत्ति जताई थी और इस मामले में तत्काल जांच की मांग की थी। बीजेपी ने शिवसेना, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और कांग्रेस की मौजूदा सत्तारूढ़ सरकार को भी इसके लिए जिम्मेदार ठहराया था। महक का बचाव करते हुए शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे और संजय राउत ने कहा था कि ऐसा भी हो सकता है कि महक ने पिछले कई महीनों से घाटी में इंटरनेट और मोबाइल बंद करने से आजादी मांगी हो। इस मामले पर जैसे ही विवाद बढ़ा महक मिर्जा प्रभु ने एक वीडियो संदेश जारी किया जिसमें उन्होंने कहा कि प्लेकार्ड केवल कश्मीर में तालाबंदी के विरोध में था। इसके अलावा कोई और मंशा उनकी नहीं थी। महक ने फेसबुक पर एक वीडियो जारी करके विवाद पर सफाई दी है। महक ने कहा है कि वह पेशे से एक लेखिका हैं। वह कश्मीर से नहीं हैं, बल्कि महाराष्ट्र की ही रहने वाली हैं। महक का कहना है कि उनके पोस्टर के बाद सोशल मीडिया पर जिस तरह से विवाद हुआ है, इससे उन्हें झटका लगा है। इसके पीछे कोई एजेंडा या मोटिव नहीं था।

जेएनयू हिंसा: दूसरी एफआईआर में आरोप

आइशी समेत 20 लोगों ने स्टाफ और महिला गार्ड से मारपीट की, धमकाया

संवाददाता

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में रविवार को हुई हिंसा के मामले में दूसरी एफआईआर छात्र संघ अध्यक्ष आइशी घोष समेत 20 छात्रों पर दर्ज की गई थी। इन पर प्रशासनिक भवन के स्टाफ और महिला गार्ड से मारपीट, गालीगलौज के अलावा तोड़फोड़ का केस दर्ज किया गया। एफआईआर जेएनयू सिक्युरिटी डिपार्टमेंट ने दर्ज करवाई। इसमें वारदात का दिन 4 जनवरी और समय शाम 6:00 बजे का बताया गया है। हालांकि, पुलिस ने इस संबंध में एफआईआर 5 जनवरी को दर्ज की। जेएनयू में हिंसा के मामले में एक और एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें कैम्पस में हिंसा और तोड़फोड़ के लिए अज्ञात लोगों पर केस दर्ज किया गया।

हिंदू रक्षा दल ने जिम्मेदारी ली, 3 दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं

जेएनयू कैम्पस में 5 जनवरी को छात्रसंघ के सदस्य फीस बढ़ोतरी को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। शाम के वक्त कुछ नकाबपोश कैम्पस में दाखिल हुए। ये लोग हाथ में डंडा और लोहे की रॉड लिए हुए थे। इन लोगों ने प्रदर्शनकारियों से मारपीट की। यहां पूर्व प्रोफेसर योगेंद्र यादव समेत कुछ मौजूदा शिक्षकों से भी हाथापाई की गई। इस दौरान छात्र संघ अध्यक्ष आइशी समेत 20 लोग घायल हुए थे। हिंसा के तीन दिन बीत जाने के बाद भी दिल्ली पुलिस ने अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं कर पाई। उधर, हिंदू रक्षा दल के नेता पिंकी चौधरी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। मामले जांच के लिए क्राइम ब्रांच की टीम जेएनयू पहुंची है।

एफआईआर में क्या आरोप लगाए गए?

स्टाफ के साथ मारपीट: जेएनयू सिक्युरिटी डिपार्टमेंट ने पुलिस को दी शिकायत में कहा- कम्युनिकेशन एंड सर्विस ऑफिस (सीआईएस) 3 जनवरी को पूरी तरह बंद रहा। इसके चलते पूरी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया बंद थी। इसके चलते सीआईएस ऑफिस के स्टाफ ने जेएनयू के गार्ड्स के साथ मिलकर 4 जनवरी को सुबह 6:00 बजे दफ्तर खोलने की कोशिश की। इस दौरान छात्र संघ अध्यक्ष आइशी घोष समेत अन्य लोगों ने स्टाफ के साथ मारपीट की। महिला गार्ड से भी मारपीट की और उन्हें धमकाया।

प्रदर्शनकारियों ने गार्ड को पीटा, कुछ घायल हुए: एफआईआर में आइशी घोष, साकेत मून, सतीश यादव, सारिका चौधरी, जी सुरेश, कृष जायसवाल, विवेक कुमार, गौतम शर्मा, भास्कर दी मेक, अपेक्षा प्रियदर्शी, श्रेया घोष, श्वेता कश्यप, संभावित सिद्धि, विवेक कुमार पांडेय, राजू कुमार, मानस कुमार, चुनचुन यादव, कामरान, डोलन, गीता कुमारी के नाम हैं। इन पर आरोप है कि इन लोगों ने स्टाफ को दफ्तर का दरवाजा खोलने से रोका, उनसे कहा कि अगर यह गेट खुला तो अंजाम बुरा होगा। कुछ सुरक्षा गार्डों को प्रदर्शनकारियों ने पीटा और उनमें से कुछ घायल भी हैं।

दफ्तर में घुसे, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया: एफआईआर के मुताबिक, सीआईएस स्टाफ किसी तरह दफ्तर में दाखिल होने में कामयाब हुआ और उसने इन्फर्मेशन सिस्टम खोला। लेकिन, कुछ ही देर में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी दफ्तर में घुस आए। स्टाफ से गालीगलौज की और उन्हें दफ्तर से बाहर निकाल दिया। इन लोगों ने सरकारी अधिकारियों को अपना काम करने से रोका। विश्वविद्यालय प्रशासन ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिसवाले मौके पर आए और हालात का जायजा लेकर चले गए। इसके कुछ देर बाद प्रदर्शनकारियों का एक और दल दफ्तर में घुसा और तोड़फोड़ की। वे बिना इजाजत सरकारी दफ्तर में संपत्ति का नुकसान करने के इरादे से घुसे और सर्वर, केबल, बायोमीट्रिक सिस्टम को नुकसान पहुंचाया।

100 मीटर के दायरे में विरोध और प्रदर्शन किया: एफआईआर में कहा गया कि हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि प्रशासनिक भवन के 100 मीटर के दायरे में धरना, प्रदर्शन, विरोध और जमावड़ा नहीं होना चाहिए। सीआईएस दफ्तर प्रशासनिक भवन के 100 मीटर के दायरे में है। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के दौरान पुलिस बल की तैनाती भी की जाए, ताकि सेमेस्टर के लिए हजारों छात्रों के रजिस्ट्रेशन के काम में बाधा न पड़े।

जंगल में आग: धुएं के कारण हवा की गुणवत्ता बेहद खराब, ऑस्ट्रेलियन ओपन पर खतरा, अब तक 2 हजार घर जले

ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में सितंबर से लगी आग के कारण इतना ज्यादा प्रदूषण फैल गया है कि अब 20 जनवरी से 2 फरवरी तक होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट पर भी खतरा मंडराने लगा है। इसकी तारीख आगे बढ़ाई जा सकती है। हालांकि, टेनिस ऑस्ट्रेलिया प्रमुख क्रैग टिले को भरोसा है कि टूर्नामेंट तय तारीख से ही होगा। यह आग 1 करोड़ 79 लाख एकड़ जंगल में फैली है। इससे 2 हजार से ज्यादा मकान जल चुके हैं। 25 लोगों की मौत हो गई है। एक सर्वे में अनुमान लगाया गया है कि 48 करोड़ से ज्यादा पशु, पक्षी और सरीसृप भी जान गंवा चुके हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने आग को नियंत्रण में करने के लिए मदद की पेशकश की है। उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन से भी बात की है। मॉरिसन ने सोमवार को नेशनल बुशफायर रिकवरी एजेंसी का गठन कर 2 अरब डॉलर (करीब 14 हजार करोड़ रुपए) देने की घोषणा की थी। दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी और 7 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुके नोवाक जोकोविच ने भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि मेलबर्न में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब है।

फिल्म एन इडियट ऐंड ब्यूटीफुल लाईअर का म्यूजिक और फर्स्ट लुक पोस्टर लॉन्च

फिल्म इसी नाम से अरूप सुर के एक अंग्रेजी उपन्यास पर आधारित है और शिप्रा सुर द्वारा निर्मित और मलयालम फिल्म मेकर आनंद उन्नीथन द्वारा निर्देशित है

फिल्म 'एन इडियट एंड ब्यूटीफुल लाईअर' के म्यूज़िक लॉन्च के लिए मुंबई में एक शानदार शाम का आयोजन किया गया। फिल्म निर्माता शिप्रा सुर के साथ बॉलीवुड इंडस्ट्री की कई हस्तियां शामिल हुई। म्यूजिक डायरेक्टर श्रवण, दिलीप सेन, महमूद अली (डॉन सिनेमा) लेखक अरुप सुर, संगीत निर्देशक सजीव मंगलाथ, गीत लेखक विजय अकेला और डेब्यू सिंगर रिदिमा सुर के साथ यह लॉन्च इवेंट हुआ। प्रत्येक अतिथि द्वारा संगीत की सराहना की गई, क्योंकि फिल्म का म्यूजिक एक रोमांटिक प्रेम कहानी को दर्शाता है। फिल्म की निर्माता शिप्रा सुर एक क्लासिकल डांसर और डांस टीचर भी हैं क्योंकि उन्होंने इस फिल्म के चार गानों की कोरियोग्राफी की है। उन्होंने

इस फिल्म के लिए कॉस्ट्यूम डिजाइन, ज्वैलरी डिजाइन और मेक अप डिजाइन भी किया है। गाने को एक खूबसूरत डेब्यू सिंगर रिदिमा सुर ने गाया है, जिन्होंने 5 साल की उम्र से कर्नाटक शास्त्रीय गायन में अपना संगीत प्रशिक्षण शुरू किया था। उसके बाद उन्होंने अपनी गुरु श्रीमती मधुमिता दास गुप्ता रॉय से बंगाली, समकालीन हिंदी गीत और सेमी क्लासिकल गायन का प्रशिक्षण शुरू किया। उन्होंने इलाहाबाद घराने की अपनी गुरु श्रीमती पद्मजा वेंकट से अपने हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन प्रशिक्षण की शुरूआत भी की। हालाँकि उनकी यात्रा काफी लंबी रही है लेकिन फिर भी सुंदर है। बहुत कम उम्र में उन्हें सफलता मिल गई। इसके गीत के संगीत निर्देशक सजीव मंगलाथ हैं, फिल्म के गीत प्रसिद्ध बॉलीवुड गायकों जैसे कि लीजेंडरी आशा भोसले जी, शान, चिन्मयी श्रीप्रदा, मधु बाला कृष्णन, नाजिम अरशद और डेब्यू सिंगर रिदिमा सुर ने गाए हैं। फिल्म के गीतकार हैं विजय अकेला और सुरेश कुमार पट्टाजी, मार्स मीडिया सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डिजिटल मार्केटिंग की गई है। फिल्म की स्टारकास्ट में मानव, ऋचा जोशी, सोनिया मल्हार, मुंशी रंजीत और टीटी उषा हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को आरकॉम की बैंक गारंटी के 104 करोड़ रुपए लौटाने का आदेश दिया

संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को आदेश दिया है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) को 104 करोड़ रुपए लौटाए जाएं। आरकॉम की यह राशि बैंक गारंटी के तौर पर सरकार के पास जमा है। इस मामले में टेलीकॉम डिस्प्यूट्स सेटलमेंट एंड अपीलेट ट्रिब्यूनल (टीडीसैट) ने 21 दिसंबर 2018 को आरकॉम के पक्ष में फैसला दिया था। टीडीसैट ने कहा था कि आरकॉम की 908 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी में से

सरकार स्पेक्ट्रम चार्ज के 774 करोड़ रुपए भुनाकर 104 करोड़ रुपए कंपनी को लौटाए। टेलीकॉम विभाग 30 करोड़ रुपए पहले ही एडजस्ट कर चुका था। इस फैसले को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। जस्टिस आर एफ नरीमन और एस रविंद्र भट्ट की बेंच ने मंगलवार को फैसले में कहा कि सरकार की अपील में कोई मेरिट नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बीएसई पर आरकॉम का शेयर 3.5% चढ़कर 87 पैसे पर पहुंच गया। एनएसई पर 85 पैसे तक पहुंचा।

आरकॉम दिवालिया प्रक्रिया में है:

कारोबार में घाटा होने और कर्ज बढ़ने की वजह से आरकॉम ने 3 साल पहले ऑपरेशंस बंद कर दिए थे। उसने रिलायंस जियो को स्पेक्ट्रम बेचकर दिवालिया होने से बचने की कोशिश की लेकिन लंबी कानूनी प्रक्रिया और सरकार की ओर से मंजूरी में देरी की वजह से डील नहीं हो पाई। ऐसे में कंपनी ने खुद ही दिवालिया प्रक्रिया में जाने का विकल्प चुना। इसके आरकॉम के एसेट्स बेचने की प्रक्रिया चल रही है।

अस्पतालों में बच्चों की मौत पर हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया, राज्य सरकार से रिपोर्ट तलब

राज्य के सरकारी अस्पतालों में बच्चों की मौत पर राजस्थान हाईकोर्ट ने मंगलवार को स्वतः संज्ञान लिया। अदालत ने 2017 में बच्चों की मौत से जुड़े एक केस की सुनवाई के दौरान इस पर नोटिस लिया। कोर्ट ने राज्य सरकार से बच्चों की मौत का कारण पूछते हुए रिपोर्ट तलब की। साथ ही, सरकारी अस्पतालों में स्वीकृत और रिक्त पदों की जानकारी भी मांगी। मामले की अगली सुनवाई 10 फरवरी को होगी। मंगलवार को हाईकोर्ट में 2017 में बांसवाड़ा के सरकारी अस्पताल में एक महीने में 90 बच्चों की मौत के मामले में सुनवाई हुई। इसी दौरान चीफ जस्टिस इंद्रजीत महांति और जस्टिस पुष्पेन्द्र सिंह भाटी की खंडपीठ ने हाल में

सरकारी अस्पतालों में हुई बच्चों की मौत पर स्वतः संज्ञान लिया। न्यायमित्र राजवेन्द्र सारस्वत ने कोर्ट में जनता का पक्ष रखते हुए अस्पतालों के हालात बताए। हाईकोर्ट ने बच्चों की बढ़ती मौतों पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा- सरकारी अस्पतालों में बड़ी संख्या में डॉक्टरों और दूसरे कर्मचारियों के पद खाली हैं। डॉक्टरों के बगैर मरीजों का इलाज कैसे संभव होगा? इसके बाद कोर्ट ने राज्य सरकार से प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में सभी तरह के कर्मचारियों के कुल स्वीकृत और रिक्त पदों की सूची पेश करने का आदेश दिया। अदालत ने खंडपीठ ने सरकारी अस्पतालों के पूरे रिकॉर्ड को कंप्यूटरीकृत करने का आदेश भी दिया। अदालत ने न्याय मित्र राजवेन्द्र सारवस्वत और अतिरिक्त महाअधिवक्ता पंकज शर्मा को निर्देश दिया कि वे राज्य के किन्हीं दो जिला अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर रिपोर्ट पेश करें। पिछलने एक महीने में बीकानेर के सरकारी अस्पताल में 162, जोधपुर में 146 और कोटा में 110 बच्चों की मौत हो चुकी है।

मैकफे ने अपना इंटरनेट सिक्योरिटी सॉल्यूशन फ्लिपकार्ट पर प्रस्तुत किया

मैकफे एवं फ्लिपकार्ट तेजी से कनेक्टेड होती दुनिया में उपभोक्ताओं के बीच इंटरनेट सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं

मैकफे एवं फ्लिपकार्ट ने घोषणा की कि अब से मैकफे के उत्पाद फ्लिपकार्ट.कॉम पर मिलेंगे। आज हाईपर डिजिटल उपभोग के दौर में मैकफे के भरोसेमंद सुरक्षा समाधान न केवल डिवाईसेस को सुरक्षा प्रदान करते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं को अपनी डिजिटल जिंदगी को सुरक्षित रखने में भी मदद करते हैं। वेंकट कृष्णापुर, वाईस प्रेसिडेंट ऑफ इंजीनियरिंग एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, मैकफे इंडिया ने कहा, फ्लिपकार्ट के साथ मैकफे की साझेदारी का उद्देश्य ऑनलाईन सुरक्षा का महत्व प्रदर्शित कर उपभोक्ताओं को मन का सुकून प्रदान करना तथा उन्हें अपनी मोबाईल डिवाईस एवं कनेक्टेड होम्स में महत्वपूर्ण जानकारी को सुरक्षित रखने में मदद करना है। फ्लिपकार्ट के लाखों उपभोक्ता अब मैकफे के अवार्ड-विनिंग एवं भरोसेमंद उत्पाद प्राप्त कर सकेंगे। इस प्लेटफॉर्म पर सुगम कस्टमर अनुभव के साथ साईबरसिक्योरिटी की बढ़ती जरूरतें पूरी हो सकेंगी। मैकफे के अवार्डविनिंग सिक्योरिटी समाधानों में मैकफे एंटीवायरस, मैकफे इंटरनेट सिक्योरिटी एवं मैकफे टोटल प्रोटेक्शन शामिल हैं। इनमें ऐसे फीचर्स शामिल हैं, जो डिवाईसेस को मालवेयर, रैंसमवेयर आदि से सुरक्षा प्रदान करते हैं। सिक्योरिटी समाधानों के साथ मैकफे का वेबएडवाईजर उपभोक्ताओं को जोखिमभरी वेबसाईट्स एवं मैलिशियस डाउनलोड्स से बचाता है और पीसी बूस्ट कंप्यूटर, ब्राउजर्स एवं ऐप्स की परफॉर्मेंस बढ़ाता है। आदर्श मेनन, सीनियर वाईस प्रेसिडेंट, फ्लिपकार्ट ने कहा, हमें फ्लिपकार्ट के लाखों ग्राहकों को मैकफे के उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए मैकफे के साथ काम करने की खुशी है। इससे हमारे ग्राहक ज्यादा सुरक्षित ऑनलाईन अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में बच्चों का हुआ गलत इलाज, जांच हो: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (एसपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में पिछले साल जनवरी से अक्टूबर तक 1500 से अधिक बच्चों की मौत का दावा किया है। उनका आरोप है कि इन बच्चों की ब्लड टेस्ट की रिपोर्ट में उन्हें इंसेफलाइटिस की पुष्टि हुई थी लेकिन आंकड़े छिपाने के लिए सरकार के इशारे पर डॉक्टरों ने उनका दूसरा बुखार दिखाकर इलाज किया। इस पूरे घटनाक्रम की हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज से जांच करवाई जानी चाहिए।

एसपी कार्यालय पर सोमवार को आयोजित प्रेसवार्ता में अखिलेश यादव ने बच्चों के नाम की सूची स्क्रीन पर दिखाई।

उन्होंने दावा किया कि करीब 2,000 बच्चों की इस सूची में 1,500 से अधिक बच्चे जान गंवा चुके हैं जबकि सरकार इंसेफलाइटिस के 500 से भी कम मरीज आने का दावा कर रही थी।

पूर्व सीएम ने आरोप लगाया कि जेएनयू में नकाबपोश लोगों ने नियोजित ढंग से हिंसा की। उन्हें पता था कब आना है, कैसे आना है, कैसे निकलना है? वाराणसी में पिछले दिनों ऐसा ही नंगा नाच हुआ था, जब समाजवादी छात्र सभा के लोग चुनाव लड़ना चाहते थे और उनके खिलाफ हिंसा की गई। अखिलेश ने कहा कि जेएनयू गेट के बाहर पुलिस इंतजार करती रही। क्या इसी तरह जामिया और एएमयू में भी पुलिस ने काम किया था? बीजेपी किसी पर भी अटैक कर सकती है। हम लोग भी डरते हैं कि कब पुलिस ही मुंह छुपा कर घर पहुंचा जाए। आज सीएम मुस्लिमों के गले मिल रहे हैं। उनके पुराने विडियो निकाल कर देख लीजिए कि मुस्लिमों के लिए उनकी क्या भाषा थी?

सरकारी प्रवक्ता ने अखिलेश यादव के दावों को आधारहीन बताते हुए सरकारी आंकड़े रखे है। उन्होंने बताया कि 2016 के मुकाबले इंसेफलाइटिस से होने वाली मौतों में 65% कमी आई है। एईएस से होने वाली मौतें घटकर 4% से नीचे आ गई हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि अखिलेश के मकान छीनने जैसे आरोप आधारहीन हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पूर्व मुख्यमंत्रियों के आवास विधिक प्रक्रिया के तहत खाली करवाए गए। नियमानुसार वाहन और सुरक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्रियों को स्टाफ दिए जाने का राज्य संपति विभाग में कोई नियम नहीं है।

पानीपत नहीं, अब करनाल तक जाएगी रैपिड रेल

नई दिल्ली। दिल्ली के सराय काले खां और पानीपत के बीच प्रस्तावित हाईस्पीड रैपिड रेल को करनाल तक बनाया जाएगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इस बारे में निर्देश दिए हैं। रैपिड रेल का निर्माण करने वाली सरकारी कंपनी एनसीआर ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन का कहना है कि अब पानीपत और करनाल के बीच के हिस्से के लिए डीपीआर तैयार की जाएगी। उसके बाद दोनों ही सरकारों से औपचारिक मंजूरी ली जाएगी।

एनसीआर ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन के अधिकारियों का कहना है कि दरअसल, यह रैपिड रेल सराय काले खां से पानीपत तक बनाई जाने का प्रस्ताव था। लगभग 143 किमी की इस रैपिड रेल लाइन के लिए डीपीआर तैयार हो चुकी है।

ग्रेटर नोएडा में बदमाशों ने लूट के बाद की मैनेजर की हत्या

हिंडन नदी पुल के नीचे मिला शव

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में लूट और मर्डर के सनसनीखेज मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इस बार बदमाशों ने गौड़ सिटी के रहने वाले गौरव चंदेल नाम के व्यक्ति की हत्या कर दी। गौरव गुड़गांव की एक कंपनी में मैनेजर थे। वह अपने दफ्तर से ही घर लौट रहे थे तभी बदमाशों ने पर्थला गोल चक्कर और गौड़ सिटी के बीच उनसे लूटपाट की और उनका मर्डर कर दिया। नोएडा के एसएसपी ने ट्वीट कर जानकारी दी कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

अब तक मिली सूचना के मुताबिक, बदमाशों ने गौरव को बंधक बनाकर मोबाइल, लैपटॉप आदि लूट लिए और सिर पर रॉड मारकर हत्या कर दी। परिजनों का कहना है कि गौरव ने घटना के दिन उन्हें फोन किया था और कहा था कि वह पांच मिनट में घर पहुंचने वाले हैं। हालांकि, देर तक कुछ अता-पता नहीं मिलने पर परिजन बिसरख पुलिस के पास गए। लेकिन, पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रैक कर गौरव का पता लगाने की बात कहकर परिजनों को लौटा दिया। पुलिस को सक्रिय नहीं देख परिजनों ने गौरव खुद ही गौरव की तलाशी शुरू की। इस दौरान उन्हें गौरव का शव मिला।

लगता है कि 5 साल में हमने काम किया, तो वोट देना : केजरीवाल

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि इस बार का चुनाव दिल्ली सरकार के काम पर होगा। यह चुनाव शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी और कच्ची कॉलोनियों में किए गए विकास कार्यों पर होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता आनेवाले चुनाव में पॉजिटिव वोट देगी। देश के इतिहास में यह पहली बार होगा कि स्कूलों, अस्पतालों के नाम पर वोट पड़ेंगे। केजरीवाल ने कहा कि आप सरकार ने पांच साल में दिल्ली के स्कूलों और अस्पतालों में बड़े सुधार किए हैं। घर-घर पानी पहुंचाया और बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा करवाई। कच्ची कॉलोनियों में सड़कें, नालियां और सीवर लाइन बिछाई गईं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी अपनी सरकार के किए गए कार्यों के आधार पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पार्टी 'सकारात्मक' अभियान चलाएगी। 70 साल में यह पहला

चुनाव होगा, जो स्कूल और अस्पताल के नाम पर होगा। केजरीवाल ने दिल्ली की जनता से अपील करते हुए कहा कि अगर आपको लगता है कि पिछले पांच साल में हमने बेहतर काम किया है, तो आप हमें (आम आदमी पार्टी) वोट देना। तभी हम दोबारा सरकार बनाने के हकदार होंगे। अगर आपको लगता है कि हमने काम नहीं किया, तो वोट मत देना। केजरीवाल ने कहा कि पांच साल सरकार चलाने के बाद आज तक किसी भी मुख्यमंत्री ने यह बयान नहीं दिया होगा। इस तरह का बयान देने के लिए हिम्मत चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि हमें अपने काम पर और जनता पर पूरा भरोसा है कि वो दिल्ली सरकार के कामकाज के आधार पर ही वोट देगी।

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के तौर पर उन्होंने सबके सीएम के तौर पर काम किया है। कभी कोई भेदभाव नहीं किया। सरकारी स्कूलों में बीजेपी-कांग्रेसवालों के भी बच्चे पड़ते हैं और स्कूलों में हुए बड़े सुधारों का फायदा सबको मिला है। सबके लिए विकास के काम किए हैं। उन्होंने कहा कि हम भी डोर टु डोर कैंपेन करेंगे और लोगों को बताएंगे कि 70 साल में किस तरह से स्कूलों, अस्पताल, सड़कों, नालियों, बिजली-पानी के क्षेत्र में काम हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे बीजेपी-कांग्रेसवालों के पास भी जाएंगे और उनसे कहेंगे कि दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य व दूसरे क्षेत्रों में हुए कामकाज के आधार पर वोट करें। उन्होंने कहा कि दिल्ली में विकास की गाड़ी 100 की स्पीड से चल रही है और अगले पांच साल में इसे 200 की स्पीड से चलाना है। अगर सरकार बदल दी, तो सारे काम रुक जाएंगे।

कोटा में 112 मौतें: अस्पताल की रिपोर्ट ने खोली सरकार के दावे की पोल, अंडरवेट नहीं थे बच्चे

जयपुर। राजस्थान के कोटा स्थित जेके लोन अस्पताल में दिनोंदिन बच्चों की मौतों का आकड़ा बढ़ता जा रहा है। सोमवार को दो और मौतों के बाद मृत बच्चों की संख्या 112 पहुंच गई। 37 दिनों में मृतक बच्चों की बढ़ती संख्या ने शासन-प्रशासन के होश फाख्ता कर दिए हैं। उधर, मृतकों की संख्या पर राज्य सरकार और अस्पताल, दोनों के बयानों के बीच मतभेद है। जहां राज्य सरकार की ओर से यह दावा किया जा रहा है कि जिन नवजातों की मौत हुई है उनमें से ज्यादातर का सामान्य से कम वजन

था और अर्धविकसित थे। वहीं, अस्पताल की रिपोर्ट में इस बात को दशार्या गया है कि दिसंबर में ज्यादातर जिन बच्चों की मौत हुई है उनका सामान्य से कम वजन नहीं था। हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया के पास अस्पताल की इस रिपोर्ट की कॉपी भी मौजूद है।

दिसंबर महीने के आखिर में कोटा स्थित जेके लोन अस्पताल में कुल 100 नवजातों की मौत हुई। जनवरी में सोमवार तक 12 और नवजातों ने दम तोड़ दिया। इस तरह से 1 दिसंबर 2019 से कुल आकड़ा 112 पहुंच गया है। बड़ी संख्या में नवजातों की मौत के बाद देश-दुनिया में इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। अशोक गहलोत सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा का कहना है, 'वर्ष 2019 में 18 लाख नवजात का जन्म हुआ। इनमें से एक लाख की जन्म के वक्त हालत बहुत खराब थी। नवजातों को कोटा अस्पताल रिफर किए जाने के बाद जब माता-पिता उन्हें लेकर यहां पहुंचे तो उनका सामान्य से कम वजन तो था ही, साथ ही नवजात अर्धविकसित भी थे।' हालांकि, हॉस्पिटल की रिपोर्ट दिखाती है कि अस्पताल में हुई 80 मौतों में से 1 दिसंबर से 26 दिसंबर के बीच 53 मौतें एनआईसीयू में हुईं, जहां पर नवजात शिशु (28 दिनों से कम) देखभाल के लिए भर्ती कराए गए थे। सरकार और अस्पताल के बयानों के बीच मतभेद होने के साथ ही गहलोत खेमे में भी सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपनी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए मामले की जिम्मेदारी तय करने की नसीहत दी थी। इस पर स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा ने अपनी ही सरकार के डेप्युटी सीएम पर पलटवार करते हुए कहा था कि अस्पतालों के निर्माण कार्य में बरती गई ढीलाहवाली के लिए पीडब्ल्यूडी की भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

स्नोफॉल, खूबसूरती और नॉर्थ ईस्ट, ये तस्वीरें देख हो जाएगा बैग पैक!

नॉर्थ सिक्किम के लाचुंग में बर्फबारी
इन दिनों पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी हो रही है। ऐसे में काफी सारे टूरिस्ट स्नोफॉल का आनंद लेने के लिए इन जगहों पर पहुंच रहे हैं। कहा जाता है कि दिसंबर-जनवरी के महीने में कश्मीर या हिमाचल प्रदेश में स्नोफॉल देखने और इंजॉय करने वाला होता है लेकिन नॉर्थ ईस्ट भी इस मामले में पीछे नहीं है। इस गैलरी के जरिए हम नॉर्थ ईस्ट से सामने आई बर्फबारी की कुछ खूबसूरत तस्वीरें दिखा रहे हैं। इन्हें देखने के बाद आप भी खुद को यहां जाने से रोक नहीं पाएंगे...

हजारों सैलानी पहुंच रहे सिक्किम
इन दिनों हर रोज हजारों सैलानी स्नोफॉल का आनंद लेने के लिए सिक्किम पहुंच रहे हैं।

होटेल, गाड़ियों, मकानों पर बर्फ की चादर
सिक्किम में इतनी भयानक बर्फबारी हो रही है कि मकान, गाड़ियां, होटेल बर्फ की चादर ओढ़ चुके हैं। इस तस्वीर से यह समझा जा सकता है।

विजबिलिटी हुई कम
बर्फबारी और कोहरे के कारण यहां विजबिलिटी काफी कम है। ऐसे में गाड़ियां बेहद धीमी स्पीड में चल रही हैं।

चारों तरफ बर्फ ही बर्फ
ये तस्वीरें लाचुंग की हैं जो तिब्बत बॉर्डर के करीब है। समुद्र तल की ऊंचाई से काफी ऊपर स्थित लाचुंग में इस वक्त चारों तरफ सिर्फ बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है।

लाचेन का नजारा
बर्फबारी की यह तस्वीर लाचेन की है जो सिक्किम का एक छोटा सा कस्बा है। इन दिनों दूर-दूर से सैलानी यहां पहुंच रहे हैं।

दार्जिलिंग में भी बर्फबारी
पश्चिम बंगाल के शहर दार्जिलिंग में भी इस वक्त स्नोफॉल जारी है। यूं तो यह डेस्टिनेशन भारत की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है लेकिन ठंड के दिनों में बर्फबारी के बाद इसकी खूबसूरती दोगुनी हो जाती है।

फोटो क्लिक कराते पर्यटक
दार्जिलिंग हिल्स पहुंचे और फोटोज नहीं क्लिक कराए तो सफर अधूरा ही है। पर्यटक यहां पहुंचकर तस्वीरें क्लिक करना नहीं भूलते हैं।

कहा जाता है 'क्वीन ऑफ हिल्स'
दार्जिलिंग की खूबसूरती का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि इसे 'क्वीन ऑफ हिल्स' के नाम से भी जाना जाता है।

कैसे पहुंचे दार्जिलिंग?
दार्जिलिंग पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी एयरपोर्ट बागडोगरा है जो यहां से 67 किलोमीटर दूर है और सड़क मार्ग के जरिए ढाई घंटे में आप एयरपोर्ट से दार्जिलिंग पहुंच सकते हैं।
नजदीकी रेलवे स्टेशन न्यू जलपाइगुरी
इसके अलावा नजदीकी रेलवे स्टेशन न्यू जलपाइगुरी है जो यहां से 70 किलोमीटर दूर है और ढाई से तीन घंटे में रेलवे स्टेशन से दार्जिलिंग पहुंचा जा सकता है।
टूरिस्टों के लिए लाइफ टाइम एक्सपीरियंस
इस वक्त नॉर्थ ईस्ट की सैर करना टूरिस्टों के लिए लाइफ टाइम एक्सपीरियंस से कम नहीं होगा।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। लेटलतीफी कार्यालय में भारी पड़ सकती है। किसी से पैसों के लेनदेन में सावधानी बरतें।

वृष
मौसम की प्रतिकूलता स्वास्थ्य पर असर डाल सकती है इसलिये सचेत रहें। व्यापार में नुकसान उठाना पड़ सकता है। धार्मिक आयोजनों में सक्रियता से हिस्सा लेंगे।

मिथुन
कोई आपको बरगलाने का प्रयास कर सकता है इसलिये सावधान रहें। आर्थिक मसलों को पारदर्शिता से निपटाएं। व्यापार में लाभ की संभावना है।

कर्क
कोई अनचाहा कार्य आपको परेशानी में डाल सकता है। अपने कार्य के प्रति लापरवाही ठीक नहीं है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेंगे।

सिंह
नौकरी में पदोन्नति के साथ स्थानांतर के योग बन रहे हैं। नए दायित्व को लेकर खुशी मिल सकती है। कोई पुरानी बीमारी अचानक उभर सकती है।

कन्या
कहीं से नौकरी को लेकर आकर्षक प्रस्ताव सामने आ सकता है लेकिन अपने विवेक से सोच समझकर ही निर्णय लें। व्यापार में लाभ के अवसर मिल रहे हैं।

तुला
मेहमानों के आगमन से घर में खुशी का माहौल रहेगा। कोई अपना ही आपको भ्रमित कर सकता है इसलिये सतर्क रहें। बुजुर्गों के मार्गदर्शन को महत्व दें।

वृश्चिक
अविवाहितों को विवाह के मौके मिल सकते हैं। परिवार में खुशी का क्षण उपस्थित हो सकता है। मौसमी बीमारियों से कुछ परेशानी हो सकती है।

धनु
कार्यालय में कुछ परेशानी आ सकती है। आपकी लापरवाही से अधिकारी के आक्रोश का शिकार हो सकते हैं। अपने दायित्व को ठीक तरह से निभाएं।

मकर
आपका मनमाना रवैया दूसरों को परेशानी में डाल सकता है। काम में लापरवाही भारी पड़ सकती है। मौसम का परिवर्तन स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है।

कुंभ
परिवार के लोगों के साथ धार्मिक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। यात्रा के दौरान चोरी, दुर्घटना का भय भी है। बच्चों के शैक्षणिक भविष्य की चिंता परेशान कर सकती है।

मीन
दिन शुभ रहेगा। आपकी सक्रियता और कार्यशैली लोगों के बीच चर्चा का विषय बन सकती है। अभी कहीं यात्रा का कार्यक्रम बनाने से बचें क्योंकि समय अनुकूल नहीं है।

दिल्ली चिड़ियाघरः साइकल पर सवार होकर देख सकेंगे बाघ और हाथी

दिल्ली के चिड़ियाघर में जानवरों को देखने के लिए साइकल किराए पर मिलेंगी। अब आप साइकल चलाकर अलग-अलग जानवरों के बाड़े तक जा सकते हैं। फिलहाल बैट्री रिक्शा ही एकमात्र साधन है। 26 जनवरी तक यह योजना शुरू हो सकती है। इसके लिए चिड़ियाघर में साइकल ट्रैक बनाई जा रही है। यह एकदम नेचरल होगा। यानी जिस तरह से जंगलों के रास्ते होते हैं ठीक उसी तरह से साइकल ट्रैक बनाई जा रही है। यह दोनों ओर से पेड़-पौधों से ढकी होगी। रास्ता कंक्रीट का नहीं, बल्कि कच्चा होगा।

ट्रैक पर फूल-पत्ते बिखरे होंगे। इस पर साइकलिंग करने पर लगेगा कि जैसे जंगल में साइकल चला रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि 188 एकड़ में फैले चिड़ियाघर में फिलहाल यह साइकल ट्रैक पहले फेज में 1.25 किलोमीटर लंबी होगी। इसके बाद धीरे-धीरे पूरे चिड़ियाघर में यह ट्रेल बना दी जाएगी। चिड़ियाघर आने वाले दर्शकों को साइकल किराये पर मिलेंगी। फिलहाल चिड़ियाघर आने वाले दर्शकों को बैट्री रिक्शा की सुविधा मिलती है। इसके लिए टिकट लेना पड़ता है।

ठीक इसी तरह से कुछ समय बाद साइकल चलाते हुए शेर, बाघ और हाथी भी आप देख सकेंगे। सूत्रों का कहना है कि एक तरह से यह दर्शकों के लिए अडवेंचर जर्नी जैसी होगी। साइकल ट्रैक इस तरह से बनाई जा रही है जैसे कि आप किसी अफ्रीकी जंगल की सैर कर रहे हों। साइकल का किराया अभी फिक्स नहीं किया गया है। ऐसी कोशिश है कि साइकल का किराया ऐसा हो, जो लोगों की जेब पर भारी न हो।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

न्यू जीलैंड दौरा आसान नहीं होगा लेकिन मैं तैयार हूं: रोहित शर्मा

नई दिल्ली। हाल ही में टेस्ट ओपनर की जिम्मेदारी संभालने वाले रोहित शर्मा मानते हैं कि न्यू जीलैंड का घातक फास्ट बोलिंग अटैक अपने घर में और भी ज्यादा कारगर साबित होता है क्योंकि वह अपनी योजनाओं को बखूबी अंजाम देते हैं। लेकिन इसके बावजूद रोहित मानते हैं कि वह आने वाले चैलेंज के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। टेस्ट में ओपनिंग की जिम्मेदारी संभालने के बाद अब तक एक दोहरे शतक समेत तीन शतक ठोक चुके रोहित इस बार न्यू जीलैंड जाकर नई लाल गेंद से नील वैगनर, मैट हैनरी, ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी के मिश्रण वाले पेस अटैक का सामना करेंगे। यहां भारतीय टीम को दो टेस्ट मैच खेलने हैं, जो फरवरी में वेलिंग्टन और क्राइस्टचर्च में खेले जाएंगे।

इस दौरे को लेकर रोहित ने चर्चा करते हुए बताया, 'क्रिकेट खेलने के लिए न्यू जीलैंड कोई आसान जगह नहीं है। पिछली बार जब हम यहां खेले थे, तो हमने यहां (0-1) से टेस्ट सीरीज गंवाई थी। लेकिन इसके बावजूद हमने उनके सामने अच्छी चुनौती पेश की थी। लेकिन हमारा मौजूदा बोलिंग अटैक पहले के मुकाबले अब बिल्कुल अलग है।'

रोहित टेस्ट क्रिकेट में पहली बार नई गेंद से बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे। इस पर उन्होंने कहा, 'निजी रूप से मेरे लिए बिना किसी शक के यह चुनौतीपूर्ण होगा। यहां मुझे नए गेंद का सामना करना होगा।'

रोहित बखूबी जानते हैं कि भारत से बाहर की इन पिचों पर गेंद कहीं ज्यादा स्विंग और सीम करती है। लेकिन साउथ अफ्रीका के खिलाफ बीते साल खेली गई घरेलू सीरीज भी भारत में स्वागत योग्य वाले बदलाव के साथ खेली गई थी। अब भारत की पिचें अपने पुराने स्वभाव से अलग हो रही हैं, अब ये ऐसी नहीं रहीं जैसा की उपमहाद्वीप की पिचों को माना जाता है।

रोहित ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में संपन्न हुई टेस्ट सीरीज पर नजरें रखी थीं, जहां ऑस्ट्रेलिया ने न्यू जीलैंड को 3-0 से पटकनी दी है। रोहित टीम इंडिया के बोलिंग यूनिट की निरंतरता से भी प्रभावित हैं, जो दुनिया के किसी भी इंटरनैशनल अटैक से कहीं भी कम नहीं है। वे (भारतीय गेंदबाज) भी योजनाओं के साथ आते हैं और उन पर काम आते हैं। यह चीज भारत को घाटक बोलिंग अटैक वाली टीम बनाती है।

बीता साल (2019) रोहित शर्मा के बहुत शानदार गुजरा है। उन्होंने खेल के सभी फॉर्मेट में 2442 रन बनाए।

सेरेना-वोज्नियाकी ने एक साथ जीता पहला डबल्स मैच, ये जोड़ी दमदार है

सबेन। अमेरिकी दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स और डेनमार्क की कैरोलाइन वोज्नियाकी बहुत अच्छी सहेलियां हैं। वे सिंगल्स में नंबर एक खिलाड़ी रह चुकी हैं और सोमवार को वे डबल्स में पहली बार एक साथ खेलने उतरीं और जीत हासिल की। उन्होंने ऑकलैंड ओपन के पहले दौर के मैच में जापान की नाओ हिबिनो और मिकोतो निनोमिया को 6-2, 6-4 से हराया।

इन दोनों ने मिलकर 24 ग्रैंडस्लैम और 102 डब्ल्यूटीए सिंगल्स खिताब जीते हैं। सेरेना ने इसके अलावा 23 डबल्स खिताब भी हासिल किए हैं, जिसमें 13 ग्रैंडस्लैम भी शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने अपनी बड़ी बहन वीनस के साथ मिलकर तीन ओलंपिक खिताब भी अपने नाम किए हैं। सेरेना ने 2015 के बाद वीनस के अलावा किसी अन्य के साथ डबल्स मैच नहीं खेला था और डब्ल्यूटीए

टूर्नामेंट में तो वह 2002 के बाद पहली बार वीनस को छोड़कर किसी अन्य खिलाड़ी के साथ डबल्स खेलने के लिए उतरी थीं।

वोज्नियाकी ने भी पिछले तीन साल से डबल्स मैच नहीं खेला था। लेकिन, इन दोनों की दिली इच्छा थी कि वे डबल्स में जोड़ी बनाएं और सोमवार को उनकी यह तमन्ना पूरी हो गई। वोज्नियाकी ने कहा, 'यह मैच खेलकर अच्छा लगा। मैंने इसका काफी आनंद लिया। सेरेना के साथ खेलना शानदार है।' वहीं, सेरेना ने कहा, 'वोज्नियाकी ने मुझे कई बार हराया है, लेकिन यह अच्छा अहसास है कि हम पहली बार एक साथ खेलकर कोई मैच जीते हैं। उनका खेल शानदार है।'

खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल 22 फरवरी से भुवनेश्वर में

भुवनेश्वर। पहले खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल 22 फरवरी से एक मार्च के बीच यहां आयोजित किये जाएंगे। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोमवार को यह घोषणा की। इन खेलों का आयोजन कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलोजी यूनिवर्सिटी में किया जाएगा जिसमें देश भर के 100 विश्वविद्यालयों के 4000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। कुल 17 खेलों को विश्वविद्यालय खेलों में शामिल किया है। इनमें तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, तलवारबाजी, जूडो, तैराकी, भारोत्तोलन, कुश्ती, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, फुटबॉल, हॉकी, टेबल टेनिस, टेनिस, वॉलीबॉल, रग्बी और कबड्डी शामिल हैं। पटनायक ने केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रीजीजू की उपस्थिति में कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि पहले खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल भुवनेश्वर में आयोजित किये जाएंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि इन खेलों के दौरान सच्ची खेल भावना दिखायी जाएगी।

राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच की आसान जीत

ब्रिसबेन। स्पेन को डेविस कप खिताब दिलाने के कुछ सप्ताह बाद राफेल नडाल ने एटीपी कप में भी शानदार प्रदर्शन करके अपनी टीम को जीत दिलाई। नडाल के अलावा सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने भी जीत दर्ज की। इन दोनों ही स्टार खिलाड़ियों ने आसानी से जीत दर्ज की। शीर्ष रैंकिंग के नडाल ने पर्थ में सोमवार को पाब्लो कुएवास को 6-2, 6-1 से हराया जिससे स्पेन ने उरुग्वे के खिलाफ जीत दर्ज की। पूर्व नंबर एक नडाल ने अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाते हुए मुकाबले में एक तरफा जीत दर्ज की।

नडाल ने पहले सेट में कुएवास को 6-2 से हराया इसके बाद दूसरे सेट में अंतर कम करते हुए उन्होंने 6-1 की आसान जीत हासिल की। स्पेन के दूसरे खिलाड़ी रोबर्टो बातिस्ता आगुट ने 19 वर्षीय फ्रैंको रोंकाडेली को 6-1, 6-2 से हराकर स्पेन को अच्छी शुरूआत दिलाई थी। बातिस्ता ने भी स्पेन के लिए आसान जीत दर्ज की। पहले सेट में उन्होंने फ्रैंको को 6-1 की आसान जीत हासिल की। अगले सेट में बातिस्ता ने 6-2 से जीत हासिल की। स्पेन ने ग्रुप-बी में अब तक दोनों मुकाबले जीते हैं और उसका अगला सामना अजेय जापान से होगा। नोवाक जोकोविक ने अपने सिंगल्स और डबल्स मैच जीते, जिससे सर्बिया ने फ्रांस को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बेनोइट पियरे ने पहले मैच में दुसान लाजोविक को 6-2, 5-7, 6-4 से हराकर फ्रांस को बढ़त दिलाई, लेकिन जोकोविक ने गाएल मोनफिल्स को 6-3, 6-2 से हराकर सर्बिया को बराबरी दिलाई। जोकोविक ने इसके बाद विक्टर ट्रोइस्की के साथ मिलकर निकोलस माहूट और एडवर्ड रोजर वेसलिन को 6-3, 5-7, 10-3 से हराकर अपनी टीम को जीत दिलाई। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने चिली पर जीत दर्ज की, जिससे सर्बिया का ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान तय हो गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

साइको किलर का रोल निभाना चाहता हूं: अक्षय

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी रिलीज के लिए तैयार फिल्म 'सूर्यवंशी' की शूटिंग खत्म कर, इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'लक्ष्मी बम' की शूटिंग दुबई में कर रहे हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'गुड न्यूज' ने बॉक्स ऑफिस पर 162 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर नया रेकॉर्ड बना लिया है और इस रिकॉर्ड के बाद अक्षय बॉलिवुड के पहले ऐसे अभिनेता बन गए हैं, जिनकी साल भर की फिल्मों ने कुल 700 करोड़ की कमाई की है। अक्षय काफी समय से पृथ्वीराज चौहान की बायॉपिक करना चाह रहे थे और उनकी यह तमन्ना भी जल्दी पूरी होने वाली है। 'लक्ष्मी बम' की शूटिंग के तुरंत बाद अक्षय, डायरेक्टर चंद्रप्रकाश द्विवेदी की फिल्म 'पृथ्वीराज' की शूटिंग भी शुरू कर देंगे। अक्षय की यह फिल्म इसी साल यानी 2020 की दिवाली में रिलीज होगी। अक्षय ने कहा था कि वह डिप्रेशन जैसे बेहद गंभीर विषय पर फिल्म बनाना चाहते हैं। अक्षय की मानें तो डिप्रेशन भारत देश की सबसे बड़ी समस्या बन गई है। अक्षय एक और जॉनर को भी एक्सप्लोर करना चाहते हैं और वह जॉनर है साइको किलर का। अक्षय ने कहा, 'मैं साइको किलर वाले जॉनर को ट्राय करना चाहता हूं।

अजय देवगन ने की पत्नी काजोल की ऐक्टिंग की तारीफ

अजय देवगन और काजोल एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं। फिल्म 'तानाजीः द अनसंग वॉरियर' में जहां अजय लीड रोल निभाएंगे तो वहीं काजोल तानाजी की पत्नी सावित्रीबाई मालुसरे का रोल प्ले करेंगे। एक बार फिर पत्नी के साथ फिल्म में काम करने का अनुभव शेयर करते हुए अजय ने काजोल की ऐक्टिंग की काबिलियत की तारीफ की। खबर के मुताबिक, अजय ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि वह काजोल की ऐक्टिंग टाइमिंग को लेकर काफी प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि वह पहले के मुकाबले अब और बेहतर व मैच्योर ऐक्ट्रेस बन चुकी हैं, जो उन्हें कैमरे के सामने अपने किरदार में पूरी तरह ढल जाने में मदद करता है। ऐक्टर ने आगे कहा कि सीन के लिए काजोल जिस तरह से कैमरे के सामने बदल जाती थीं, उससे सेट पर मौजूद लोग भी हैरान रह जाते थे। अजय ने अपनी पत्नी की तारीफ जारी रखते हुए उन्हें बेहतरीन ऐक्ट्रेस बताया जो ऑफ ऐंड ऑन स्क्रीन जरूरत के मुताबिक आसानी से ढल जाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चीजों को समझने और बतौर ऐक्टर वह पहले के मुकाबले अब काफी आगे जा चुकी हैं।

जेएनयू की हिंसा पर बोली सोनम कपूर

दिल्ली की जवाहर लाल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में हुई हिंसा की चारों तरफ कड़ी आलोचना हो रही है। आम लोगों के अलावा बॉलिवुड के कई सिलेब्स सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर कर चुके हैं। वहीं, सोनम कपूर ने भी जेएनयू में हुई घटना को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। ऐक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जेएनयू में हुईं मारपीट के बाद की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक पोस्ट भी लिखी है। सोनम कपूर ने लिखा, मैं सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा राजनीति नहीं करती हूं क्योंकि मेरा मानना है कि मैं वास्तव में क्या सोचती हूं। मैं पब्लिकली सिर्फ उन्हीं बातों के बारे में राय देती हूं जिन्हें मैं समझती हूं। लेकिन अब मुझे कहना है कि मैं अपनी जेनरेशन को जानती हूं। जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो मुझे डर लगता है कि कहीं हमें उन चीजों के लिए याद किया जाए जिनके लिए हम खड़े नहीं थे। मैं उन लोगों से कहती हूं कि जो डरते हैं वे गलती कर सकते हैं। आपको अपनी आवाज उठाने का यह एकमात्र तरीका है। मैं सबकुछ नहीं जानती हूं और ऐसा भी हो सकता है कि कुछ चीजें मुझे समझ नहीं आती हैं लेकिन मुझे पता है कि यह सही नहीं है। मैं जानती हूं अधिकतर अच्छे लोग ईमानदारी और सहानभूति के साथ रिऐक्शन देते हैं।